

10/02/25

वकील वादी उच्च आण भी प्रतिवादीगण की तलवी हेतु रिजर्व
हसी समझ पर आता नही पकते हैं। प्रतिवादीगण की तलवी
हेतु बार-बार निर्देश दिए जा रहे हैं परन्तु वादी की ओर से
बड़े रकम से प्रतिवादीगण की तलवी का हेंप नही लिया है।
पंजी अचल दिया जा चुका है और अचल दिया जाना उचित
नही समझते हैं। अतः दया वादी तलवी के बिना न मे पारित
किया जाता है। पत्रावली में सल सुभाह होना नकार लेना
है। धर्म पाया दायिल दायर है।